सावित्री भाई फुले

58/11 UNI - 56		The state of the s	लखत —(निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—)				
	(क) महाराष्ट्रस्य प्रथमा महिला शिक्षिका का आसीत्?						
	(ख) कस्य समुदायस्य बालिकानां कृते सावित्री अपरं विद्यालयं प्रारब्धवती?						
	(ग) कीदृशीनां कुरीतीनां सावित्री विरोधम् अकरोत्।						
	(घ) किमर्थं शीर्णवस्त्रावृताः नार्यः कूपात् जलं ग्रहीतुं वारिताः?						
	(ङ) सावित्र्याः ग	मृत्यु: कथम् अभवत्?					
	(च) तस्याः द्वयो	: काव्यसङ्कलनयो: नाम	नी के?				
उत्तरम्-	म्- (क) महाराष्ट्रस्य प्रथमा महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले आसीत्।						
30	(ख) अस्पृश्यत्वात् तिरस्कृतस्य समुदायस्य बालिकानां कृते सावित्री अपरं विद्यालयं प्रारब्धवती						
	(ग) सामाजिक—कुरीतीनां सावित्री विरोधम् अकरोत्।						
	(ঘ) निम्नजातिषु जन्मकारणात् शीर्णवस्त्रावृताः नार्यः कूपात् जलं ग्रहीतुं वारिताः।						
	(ङ) महारोगप्लेगस्य प्रसारकाले सेवारता सावित्री स्वयमेतेन (स्वयम्+एतेन) असाध्यरोगेण ग्रस्ता						
	सती मृत्युं प्राप्तवती।						
			मनी 'काव्यफुले' 'सुबोधरलाकरः' च इति स्तः।				
प्रञन∙ २			ने रचयत—(निम्नलिखित पदों के आधार पर वाक्यों				
A	की रचना कीजिए		Trada (Trada III a silat II alia				
	स्वकीयम् –						
	सविनोदम् –						
	सिक्रया –						
	(3)	•••••					
उत्तरम्-		र्व	वाक्य				
	स्वकीयम् (अ	ापना)	सावित्री स्वकीयम् कर्म सदैव अकरोत्।				
	20 20	ापना) सन्नता के साथ)	सावित्री स्वकीयम् कर्म सदैव अकरोत्। सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्।				
	सविनोदम् (प्र		सावित्री स्वकीयम् कर्म सदैव अकरोत्। सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सक्रिया आसीत्।				
	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स	सन्नता के साथ)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सक्रिया आसीत्।				
2	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र	सन्नता के साथ) क्रिय)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्।				
y - 8x	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्।				
प्रश्नः 3.	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (पृ	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्न: 3.	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (पृ	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्।				
प्रश्न: 3.	सविनोदम् (प्र सक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (पृ अधोलिखितानां	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्नः 3.	सविनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प् अधोलिखितानां लिखिए-)	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्न: 3.	सविनोदम् (प्र सिक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प् अधोलिखितानां लिखिए-)	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्नः 3.	सविनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए-) उपरि आदानम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्न: 3.	सविनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए—) उपरि आदानम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्नः 3.	सिवनोदम् (प्र सिक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए-) उपरि आदानम् परकीयम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
प्रश्नः 3. उत्तरम्-	सिवनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए-) उपरि आदानम् परकीयम् विषमता व्यक्तिगतम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह)	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
	सिवनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए-) उपरि आदानम् परकीयम् विषमता व्यक्तिगतम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) ऐत तरह) पदानां विलोमपदानि	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
	सविनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए—) उपिर आदानम् परकीयम् विषमता व्यक्तिगतम् आरोह:	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह) पदानां विलोमपदानि	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
	सिवनोदम् (प्र सिक्रिया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए-) उपरि आदानम् परकीयम् विषमता व्यक्तिगतम् आरोह: उपरि	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) प्रतानां विलोमपदानि	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				
	सविनोदम् (प्र सिक्रया (स प्रदेशस्य (प्र मुखरम् (प्र सर्वथा (प्र अधोलिखितानां लिखिए—) उपिर आदानम् परकीयम् विषमता व्यक्तिगतम् आरोहः उपिर आदानम्	सन्नता के साथ) क्रिय) देश की) खर) री तरह) पदानां विलोमपदानि	सोहनः सविनोदम् दिनम् व्यतीतयत्। सावित्री नारीशिक्षार्थं सिक्रिया आसीत्। सावित्री सदैव प्रदेशस्य सेवाम् अकरोत्। सावित्री अत्याचारस्य मुखरम् विरोधम् अकरोत्। नारी शिक्षार्थं सा सर्वथा समर्पिता आसीत्।				

प्रश्नः 4.	अधोलिखितानां	पदानां लिङ्गं, दि	त्रभिकतं वचनं च	लिखत-(निम्नलिखित पदों के लिङ्ग,				
	विभक्ति और व	चन लिखिए-)	2					
	पदानि	लिङ्गम्	विभक्तिः	वचनम्				
	धूलिम्							
	नाम्नि	•••••						
	अपर:							
	कन्यानाम्		•••••	•••••				
	सहभागिताम्			•••••				
	नापितै:							
उत्तरम्-	पदानि	लिङ्गम्	विभक्तिः	वचनम्				
`	धूलिम्	ग स्त्रीलिङ्गम्	द्वितीया	एकवचनम्				
	नाम्नि	नपुंसकलिङ्गम्		एकवचनम्				
	अपर:	पुंल्लिगम्	प्रथमा	एकवचनम्/				
	कन्यानाम्	स्त्रीलिङ्गम्	षष्ठी	बहुवचनम्				
	सहभागिताम्	स्त्रीलिङ्गम्	द्वितीया	एकवचनम्				
	नापितै:	पुंल्लिगम्	तृतीया	A 193				
				बहुवचनम्				
प्रश्नः 5.				क अनुसार लकार परिवर्तन कीजिए–) —				
2.0	वर्तमानक		अतीत्का					
	यथा- सा शिक्षि		सा ।शाक्ष	का आसीत्।				
		ने संलग्ना भवति। ावर्षकल्पः अस्ति।						
		।वषकल्पः आस्ता डागात् जलं नयन्ति						
	(घ) वयं प्रतिदि							
	(ङ) किं यूयं वि							
	South an engine service to	वद्यालय गण्डयः विद्यालयात् गृहं	गन्कन्ति।					
उत्तरण_		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·						
उत्तरम् – (क) सा अध्यापने संलग्ना अभवत्। (ख) सः त्रयोदशवर्षकल्पः आसीत्।								
	Carroner acces to negation	डागात् जलम् अन						
		नं पाठम् अपठाम।	830					
		वद्यालयम् अगच्छत						
		: विद्यालयात् गृहम्						
		अतिरि	क्त-अभ्यासः	8				
(1)	गद्याशं पठित्वा ३	मधोदत्तान प्रश्नान	उत्तरत-(गद्यांश पढ	कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर				
	दीजिए-)			and the second				
9	एकदा सावित्र्या मा	र्गेदृष्टं यत् कूपं नि	किषा शीर्णवस्त्रावृताः	तथाकथिताः निम्नजातीयाः काश्चित्				
नार्यः जलं पातुं याचन्ते स्म। उच्चवर्गीयाः उपहासं कुर्वन्तः कूपात् जलोद्धरणम् अवारयन्।								
सावित्री एतत् अपमानं सोढुं नाशक्नोत्। सा ताः स्त्रियः निजगृहं नीतवती। तडागं दर्शयित्वा								
अकथयत् च यत् यथेष्टं जलं नयत। सार्वजनिकोऽयं तडागः। अस्मात् जलग्रहणे नास्ति जातिबन्धनम्। तया मनुष्याणां समानतायाः स्वतन्त्रतायाश्च पक्षः सर्वदा सर्वथा समर्थितः।								
	तया मनुष्याणा सम् एकपदेन उत्तरत।	ानतायाः स्वतन्त्रताय	।रच पक्षः सवदा स	वया समाथतः।				
	१. के जलोद्धरणम्	। अवारयन?						
		स्त्रिय: किं पातुम्	इच्छन्ति स्म?	3				
		स्त्रय: कुत्र नी-त-व		_				
9	4. सावित्री ता: गृ	हं नीत्वा किम् अ		ŧ				
	पूर्णवाक्येन उत्तरत		ee 12					
			कुत्र अपश्यत्?					
			न अशक्नोत्?'''''					
3. तडागं दर्शयित्वा सा ता: महिला: किम् अकथयत्?								

III. भाषिककार्यम्			
1. 'सार्वजनिकोऽयं	तडागः'- अत्र विशेष्य	पदम् किम्? ——	
	ात्वा लिखत— (i) f		(ii) अनयत्
3. उपसर्गं निर्दिशत	fi % (i) 3	अपमानम् ———	(ii) उपहासम्
4. सन्धि विच्छेदं	1000070 H	`	
	= +	(ii) न + अशक	नोत् =
5. यथानिर्देशम् रिव		(,	
(i) समानतायाः	107.7	विभवि	न्तः — वचनम्
(ii) नार्य:		विभवि	Justine 19 March 20 M
(iii) नयत		लकार:	पुरुषः — वचनम्
(iv) याचन्ते —		लकार:	पुरुष: वचनम्
उत्तरम्-		XIANX.	ડુલ્યા વવાન્
I. 1. उच्चवर्गीयाः	2 ਗੁਲੂਸ 3	निजगदम ४	नरगाप
II. 1. सावित्री मार्गे वृ	ਣ: नरान् ਨੂਧ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੀਸ਼ੀਰਸ਼ਗਰ	ा पर्युष्टर् ज्ञाः महिलाः आप्रय	त्र।
			ए। वित्री एतत् अपमानम् सोढुं न
अश्वनोत्।	भागातामाः स्त्रामाम् उ	नहासन् अपुग्यन्, सा	पत्रा एतत् अपनागम् साकु ग
The state of the s	• अक्रथगत_ग्रथोठं ज	लं स्थातः शतः जन्मा	हणे नास्ति जातिबन्धनम्।
			रुण गास्त जातबन्यगम्।
III. 1. तडाग: 2. (i)		. (i) अप (ii) उप	
4. (i) जल + उद्धर	C DESCRIPTION DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF T		* · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	एकवचनम् (ii) स्त्री,		
	ाध्यम, बहुवचनम् (iv)		
(2) परस्परं मेलयत लि	खत च-(परस्पर मेल		
समानार्थकानि		विपरी	तार्थकानि
(क) सततम्	विवाहिता	(ख) समानता	निराकरणम्
तिरस्कार:	जन्म अलभत	निम्नजातीया:	अन्तिम:
परिणीता	अविरतम्	आदाय	विषमता
अजायत	पठनम्	स्वीकरणम्	प्रदाय
अध्ययनम्	अपमान:	प्रथम:	उच्चजातीया:
उत्तरम्- (क) सततम्-अविर	तम्; तिरस्कार:-अपमाः	नः, परिणीता—विवाहित	ाः; अजायत-जन्म अलभतः;
अध्ययनम्-प	1000		
		चवर्गीयाः, आदाय-प्रद	तयः; स्वीकरणम्-निराकरणम्
प्रथम:-अन्ति			
(3) अधोदत्तानां पदानां	3 (4)000	(निम्नलिखित पदों क	ा वाक्यप्रयोग कीजिए—)
1. सर्वदा			
 विरोधम् 			••••••
3. स्त्रीशिक्षाया:			•••••
4. संस्था:	***************************************		•••••
उत्तरम्	2.5%		
2. वयम् अस्पृश्यत		Z(II:1	
			
	त्रीशिक्षाया: समर्थनम् ३	नकरात्।	
5. अहं कविता-प्र	स्थाः सञ्चालयति स्म।		
	तियोगितायाम् प्रथमं पुर		
(४) मञ्जूषायाः सहायत	तियोगितायाम् प्रथमं पुर ाया कथायां रिक्त स्थ		वा की सहायता से कहानी के
(4) मञ्जूषायाः सहायत रिक्त स्थान पूरे क	तियोगितायाम् प्रथमं पुर ाया कथायां रिक्त स्थ ग्रीजिए–)	गनानि पूरयत -(मंजूष	
(4) मञ्जूषायाः सहायत रिक्त स्थान पूरे कं एकदा सावित्रया ''	तियोगितायाम् प्रथमं पुर ाया कथायां रिक्त स्थ गीजिए–) द्ष्टंयत् कू	गनानि पूरयत —(मंजूष पं ····· शीर्ण	वस्त्र: वृता: काश्चित्
(4) मञ्जूषायाः सहायत रिक्त स्थान पूरे क एकदा सावित्रया '' '''''' जलम् पा	तियोगितायाम् प्रथमं पुर ाया कथायां रिक्त स्थ ग्रीजिए–) द्ष्टंयत् कू तुं याचन्ते स्म। उच्चव	गनानि पूरयत —(मंजूष पंशीर्ण गर्गिया:	वस्त्र: वृता: काश्चित् कुर्वन्त: कूपात् जलोद्धरणम्
(4) मञ्जूषायाः सहायत रिक्त स्थान पूरे कं एकदा सावित्रया '' '''''' जलम् पा अवारयन्। सावित्री	तियोगितायाम् प्रथमं पुर ाया कथायां रिक्त स्थ गीजिए—) द्ष्टंयत् कू तुं याचन्ते स्म। उच्चव् एतत् सोव्	गनानि पूरयत —(मंजूष पंशीर्ण गोया: ट्वं नाशक्नोत्। सा ता:	वस्त्रः वृताः काश्चित् कुर्वन्तः कूपात् जलोद्धरणम् स्त्रियः नीतवती।
(4) मञ्जूषायाः सहायतः रिक्त स्थान पूरे कं एकदा सावित्रया '' '''''' जलम् पा अवारयन्। सावित्री ''''' दर्शिय	तियोगितायाम् प्रथमं पुर गया कथायां रिक्त स्थ गीजिए—) द्ष्टंयत् कू तुं याचन्ते स्म। उच्चव एतत् सोढ् त्वा अकथयत् च यत्	गनानि पूरयत —(मंजूष पंशीर्ण गर्गीया: दुं नाशक्नोत्। सा ता: ्यथेष्टं	वस्त्रः वृताः काश्चित् कुर्वन्तः कूपात् जलोद्धरणम् स्त्रियः नीतवती। नयत।
(4) मञ्जूषायाः सहायतः रिक्त स्थान पूरे कं एकदा सावित्रया '' '''''' जलम् पा अवारयन्। सावित्री ''''' दर्शिय	तियोगितायाम् प्रथमं पुर गया कथायां रिक्त स्थ गीजिए—) दृष्टंयत् कू तुं याचन्ते स्म। उच्चव एतत् सोढ् त्वा अकथयत् च यत् उपहासम्, कूपम्, निक	ाानानि पूरयत —(मंजूष पं ************************* गर्गीयाः ************* दुं नाशक्नोत्। सा ताः ् यथेष्टं ********** षा, मार्गे, जलम्, नाय	वस्त्रः वृताः काश्चित् कुर्वन्तः कूपात् जलोद्धरणम् स्त्रियः नीतवती। नयत। र्यः अपमानम्

बहुविकल्पीयप्रश्नाः

- (1) प्रवत्तविकल्पेभ्यः उचितं पदं चित्वा वाक्यपूर्ति कुरुत-(दिए गए विकल्पों में से उचित पद चुनकर वाक्यपूर्ति कीजिए-) 1. इयं प्रबन्धन-समिति: कौशलेन सञ्चालयित। (विद्यालयस्य, विद्यालये, विद्यालयम्) 2. जना: भ्रष्टाचारणेन व्याकुला: सन्ति। (सर्वा:, सर्व:, सर्वे) 3. सावित्री बाई स्वदृढ़िनश्चयात् न $\frac{1}{2}$ । (विचलत्, विचलित स्म, अविचलत्) 4. उच्चवर्गीया: तासां स्त्रीणाम् अकुर्वन्। (उपहास:, उपहासम्, उपहास) 5. अस्य मण्डलस्य — किम् आसीत्? (उद्देश्य, उद्देश्यः, उद्देश्यम्) 6. देशस्य वीरा: प्राणान् अपि त्यजन्ति। (रक्षाय, रक्षायै, रक्षाया:) 7. ते जलोद्धरणम् निवारयन्ति स्म। (कूपेन, कूपम्, कूपात्) **उत्तरम्** – 1. विद्यालयम् 2. सर्वे 3. विचलति स्म 4. उपहासम् 5. उद्देश्यम् 6. रक्षायै 7. कूपात्
 - (2) उचितं विकल्पं प्रयुज्य प्रश्निर्माणम् कुरुत-(उचित विकल्प का प्रयोग करके प्रश्निर्माण कीजिए-)
 - 1. सा स्वविद्यालये कन्याभि: सिवनोदं आलपित। (कीदृशम्, कथं, केन)
 - 2. कश्चित् जनः सावित्र्याः उपरि धूलिम् क्षिपति। (कस्य, कस्याः, कस्याम्)
 - 3. सा अध्यापने संलग्ना। (कस्याम्, कस्मिन्, केन)
 - 4. नववर्षदेशीया सा फुलेमहोदयेन परिणीता। (कम्, केन, कस्य)
 - 5. बालिकानां कृते सा अपरं विद्यालयम् आरभत। (केषाम्, कस्स, कासाम्)
- उत्तरम् 1. सा स्वविद्यालये कन्याभि: कथं आलपित?
 - 2. कश्चित् जनः कस्याः उपरि धूलिम् क्षिपति?
 - 3. सा कस्मिन् संलग्ना?
 - 4. नववर्षदेशीया सा केन परिणीता।
 - 5. कासां कृते सा अपरं विद्यालयम् आरभत।